ORDINANCE No. V-141(B-17)

RELATED TO MASTER OF ARTS IN HNIDI

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY, MEERUT, U.P.

(Established under U.P. Govt. Act no. 29 of 2008 and approved under section 2(f) of UGC Act 1956)

Curriculum

MASTER OF ARTS IN HNIDI

As per recommendations of national education policy-2020

Approved in 36th Meeting of the Academic Council held on 11.03.2026

Approved in 37th Meeting of the Executive Council held on 27.06.2026

HEAD
Department of Languages
Faculty of Arts & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

Rahul Sankrityayan Subharti School of Linguistics and Foreign Languages
Faculty Of arts and Social Sciences

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY
(Established under U.P. Govt. Act no. 29 of 2008 and approved under section 2(f) of UGC Act 1956)

ORDINANCE No. V-141(B-17)

RELATED TO MASTER OF ARTS IN HNIDI

As per National Education Policy-2020

1. This ordinance may be called the Ordinance Relating to Master of Arts (M.A.) in Hindi Literature and Language.
1. This Ordinance is applicable to PG programme as per Choice Based Credit System (CBCS) Semester Mode
   The provisions of this Ordinance shall be applicable on **ORDINANCE No. V-141-A**
2. Master of Arts HINDI. It shall come into force from session 2025-2026.

Semester Wise Syllabus

M. A. I Year/ Semester – I

Code	Course	Course Type	Teaching Load perweek				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
MA-Hindi-101	अनुसंधान प्रविधि	(Theory)	4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-102	प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-103	नाटक एवं रंगमंच		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-104	हिंदी साहित्य का इतिहास		0	0	8	8	04	30	70	100
MA-Hindi-105	Book Review /पुस्तक समीक्षा	Project	0	0	8	4	04	30	70	100
VAC- RC	Rashtreeya Chetana		2	0	0	2	02	15	35	50

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

VAC- RC	Rashtreeya Chetana		2	0	0	2	02	15	35	50
	Total						22	165	385	550

M. A. I Year/ Semester – II

Code	Course	Course Type	Teaching Load per week				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
MA-Hindi-201	काव्यशास्त्र	(Theory)	4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-202	उत्तर मध्यकालीन काव्य		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-203	हिंदी आलोचना		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-204	कथा साहित्य		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-205	Project/Survey/Training	Project	0	0	8	8	04	30	70	100
MA-Hindi-206	Constitutional, Human & Moral Values and IPR		2	0	0	2	02	15	35	50
	Total						22	165	385	550

M. A. Hindi - II Year/ Semester – III

Code	Course	Course Type	Teaching Load perweek				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										

HEAD
Department of Languages
Faculty of Arts & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

MA-Hindi-301	हिंदी गद्य विधाएँ	(Theory)	4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-302	आधुनिक हिंदी काव्य		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-303	अस्मितामूलक विमर्श		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-304	प्रवासी साहित्य		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-305	Project/ Research Paper परियोजना/ शोध पत्र	Project	0	0	8	8	04	30	70	100
MA-Hindi-306	हिंदी अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व विकास		2	0	0	2	02	15	35	50
Total							**22**	**165**	**385**	**550**

M. A. Hindi - II Year/ Semester – IV

Code	Course	Course Type	Teaching Load perweek				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
MA-Hindi-401	भाषा विज्ञान	(Theory)	4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-402 A MA-Hindi-402 B	Opt any one (elective) विशेष अध्ययन : कबीर **अथवा** हिंदी उपन्यास प्रेमचंद पर विशेष अध्ययन		4	0	0	4	04	30	70	100
MA-Hindi-403	**Project/ Dissertation** परियोजना/ लघु शोध प्रबंध	Project	-	-	-	12	12	100	200	300
MA-Hindi-404	विज्ञापन और हिंदी भाषा		2	0	0	2	02	15	35	50
Total							**22**	**175**	**375**	**700**

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

M.A. HINDI I SEMESTER

PROGRAMME OUTCOMES

PO 1- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य, भाषा एवं विभिन्न जीवनानुसंबन्धी विषयों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।

PO 2- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, विभिन्न विधाओं एवं हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।

PO 3- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।

PO 4- भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।

PO 5- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, मानवीय मूल्यों तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।

PO 6- विद्यार्थियों रोजगार प्राप्त की सामर्थ्य विकसित होगी। उनमें सरकारी व निजी संस्थाओं में शिक्षण व शिक्षणेत्तर क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की योग्यता विकसित होगी।

Programme / Class M.A. Hindi	Year :First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-101	Course Title : अनुसंधान प्रविधि	

COURSE OBJECTIVES: साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों और तकनीकों की व्यापक समझ। अनुसंधान के समय ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम होना। वर्तमान अनुसंधान और अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण, समस्याओं से निपटने और सुलझाने की क्षमता का निर्माण एवं मौखिक प्रस्तुति और वैज्ञानिक लेखन कौशल प्राप्त करना। शोध की क्षमता का निर्माण, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता का निर्माण, विषय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण विद्यर्थियों में होगा।

Course Outcomes-

CO 1- विद्यार्थी साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों और तकनीकों की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 2-विद्यार्थी अनुसंधान के समय ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम बन सकेंगे।

CO 3-विद्यर्थियों में शोध की क्षमता का निर्माण एवं शोध लेखन की समझ विकसित होगी।

CO 4-शोध की क्षमता का निर्माण, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता का निर्माण, विषय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण विद्यर्थियों में होगा।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0=4		

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

Unit	Topic	No. of Lectures 60
I	**अनुसंधान-** परिभाषा और स्वरूप, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान का महत्व, अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग अनुसंधान। आलोचना, अनुसंधान और चिंतन।	15
II	**अनुसंधान के सोपान** अनुसंधान या शोध के सोपान, अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान की प्रक्रिया और प्रविधि, अनुसंधानकर्ता और निर्देशक, निर्देशक के गुण, निर्वाचन, शोध की रूपरेखा, शोध सामग्री, शोध लेखन, शोध प्रबंधन का विषय पुनरावलोकन एवं संपादन।	15
III	**शोध प्रबंध का मुद्रण एवं प्रस्तुति** शोध प्रबंध का मुद्रण एवं प्रस्तुति, प्रबंध परीक्षण और मौखिकी, तुलनात्मक अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप, तुलनात्मक अध्ययन का उद्धेश्य और प्रयोजन, तुलनात्मक अध्ययन की अवश्यकता, तुलनात्मक अध्ययन का महत्व ।	10
IV	**तुलनात्मक अध्ययन** तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धान्त, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएं, तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ, पाठानुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान, भाषावैज्ञानिक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान, हिंदी अनुसंधान की प्रगति।	10
V	**अनुसंधान में तकनीकी** अनुसंधान में कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग तथा सांख्यकीय अनुशीलन, हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक किए गए अनुसंधान का इंटरनेट पर सर्वेक्षण, अनुसंधान में ए. आई.(AI) एवं प्लागेरिस्म का उपयोग ।	10

सहायक ग्रंथ :

1. अनुसंधान की प्रक्रिया डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेसनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. अनुसंधान पद्धति की विवेचना- डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
3. शोध प्रविधि- विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. अनुसंधान की समस्याएं, डॉ ओम प्रकाश, आर्य बुक डिपो करोल बाग, नई दिल्ली ।
5. अनुशीलन, शोध विशेषाँक, भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM"

DEAN
Faculty of Arts & Social Science
S.V. Subharti University
MEERUT

in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year : First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-102	Course Title : प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य	

COURSE OBJECTIVES:

1- छात्रों को आदिकालीन और भक्तिकालीन रचनाओं के माध्यम से तदयुगीन परिस्थितियों की जानकारी प्रदान करना ।

2- छात्रों को चंदबरदाई कृत पद्मावती समय का परिचय प्रदान करना ।

3- छात्रों को कबीर ग्रंथावली एवं सूरदास के भ्रमरगीत सार का परिचय प्रदान करना ।

4- छात्रों को मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत का परिचयप्रदान करना ।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र आदिकालीन और भक्तिकालीनं रचनाओं का अध्ययन एवं तदयुगीन परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 2- चंदबरदाई कृत पद्मावती समय का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 3- कबीर ग्रंथावली एवं सूरदास के भ्रमरगीत सार का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

CO 4- मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	चंदबरदायी : पद्मावती समय, सपांदित -हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह। अमीर खुसरो : पहेलियाँ एवं मुकरियाँ । विद्यापति : पदावली । **पद-** के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास, सखि हे , कि पुछसि अनुभव मोए, कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि।	15
II	कबीर : कबीर ग्रन्थावाली -संपादक -डा. श्यामसुन्दर दास - (50 प्रारंभिक साखियां)	15
III	मलिक मुहम्मद जायसी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -संपादक - पद्मावत :, नागमती वियोग खंड।	10
IV	सूरदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल । - संपादक - भ्रमरगीत सार :7, 8, 23, 30 ,41, 42, 52, 57, 64, 69, 70, 85, 90 ,94 97, 101, 104, 105, ।	10
V	तुलसीदासः रामचरितमानस, गीता प्रेस, (उत्तरकाण्ड के आरंभिक 10 दोहे) मीरा (सं विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारम्भिक 20 पद।	10

सहायक ग्रंथ :

- भारतीय काव्यशास्त्र – डा.- सत्यदेव चैधरी
- मलिक मुहम्मद जायसी - पद्मावत

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

PROGRAMME OUTCOMES

PO 1- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य, भाषा एवं विभिन्न जीवनानुसंबन्धी विषयों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।

PO 2- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, विभिन्न विधाओं एवं हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।

PO 3- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।

PO 4- भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।

PO 5- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, मानवीय मूल्यों तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।

PO 5- विद्यार्थियों रोजगार प्राप्त की सामर्थ्य विकसित होगी।

Programme / Class M.A. Hindi	Year :	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-103	Course Title : नाटक एवं रंगमंच	

COURSE OBJECTIVES:

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य परंपराओं, रंगमंच के विविध पक्षों और नाट्य शिल्प की समग्र जानकारी देना है।
2. साथ ही विद्यार्थियों में प्रमुख नाटककारों के माध्यम से आलोचनात्मक दृष्टि और रंग चेतना का विकास करना है।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CO 2- रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंग शिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक, रंगमंच लोकनाट्य संस्थान एवं पारसी थिएटर आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- प्रमुख नाटकों को पढ़ उनका आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

CO 4- विभिन्न नाटककारों एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त कर उनके जीवनानुभवों से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-0-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60

		15
I	**नाटक एवं रंगमंच परिचय** **नाट्य भेद-** भारतीय रूपक।(सामान्य परिचय) उपरूपकों के भेद-	15
II	**नाट्य विधान:** भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचना। रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंग शिल्प, रंग सम्प्रेषण के विविध घटक - रंगमचं (मर्तू एवं अमूर्त) लोकनाट्य संस्थाएँ, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, नुक्कड़ नाटक।	10
III	**नाटक: अंधेर नगरी-** भारतेन्दु हरिशचंद्र। **ध्रुवस्वामिनी-** जयशंकर प्रसाद	10
IV	**नाटक: आधे-अधूरे** - मोहन राकेश।, **बकरी-** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।	10
V	**एकांकी: एक घूँट-** जयशंकर प्रसाद। **एक थका आदमी-** जगदीश चंद्र माथुर, ।	

सहायक ग्रंथ :

- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
- अंधेर नगरी- भारतेन्दु हरिशचंद्र।
- चन्द्रगुप्त- जयशंकर प्रसाद।
- आधे मोहन राकेश। -अधूरे-
- अंधायुग- धर्मवीर भारती।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. HINDI	Year :First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-104	Course Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास	

COURSE OBJECTIVES:

1- छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास तथा नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य की जानकारी प्रदान करना।

2- छात्र भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व इसके महत्त्व की जानकारी प्रदान करना।

3- विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और आधार के विषय में अवगत कराना।

4- हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का परिचय प्रदान करना।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन कर सकेंगे।

CO 2- नाथ सिद्ध और जैन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- छात्र भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।

CO 4- रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और आधार की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल काल विभाजन और नामकरण आदिकाल की पृष्ठभूमि	15
II	नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य	15
III	भक्तिकालीन साहित्य भक्तिकाल की पृष्ठभूमि निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा निर्गुण प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा कृष्ण भक्ति काव्य रामभक्ति काव्य	10
IV	रीतिकाल रीतिकालीन साहित्य रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार रीतिकालीन कविता का स्वरूप	10
V	आधुनिक साहित्य : आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग	10

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द शुक्ल
- रीति काल की भूमिका –डा. नगेन्द्र
- काव्यशास्त्र –डा. भगीरथ मिश्र

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year : First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-105	Course Title : Book Review /पुस्तक समीक्षा	

COURSE OBJECTIVES:

इसका उद्देश्य पाठकों और विद्यार्थियों को साहित्यिक पुस्तकों की गुणवत्ता, विविधता और प्रामाणिकता की पहचान कराना है। साथ ही यह सामाजिक चर्चा को प्रेरित कर लेखक, विषय और प्रकाशक की समझ विकसित करता है।

COURSE OUTCOMES-

CO 1- पुस्तक की गुणवत्ता का सही ढंग से मूल्यांकन होगा ।

CO 2. नई पुस्तकों का अन्वेषण होगा, जिससे विद्यार्थियों को नई और रोचक विषय प्राप्त होंगे ।

CO 3. पुस्तकों के संबंध में स्वस्थ विचार-विमर्श होगा ।

CO 4. विभिन्न लेखकों की विभिन्न विधाओं में उनकी विचारधारा को समझने में सहायता प्राप्त होगी।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

आवश्यक निर्देश-

छात्र/छात्राएं विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक की अनुमति से शोध विषय का चयन करेंगे करेंगे। यह लगभग 10 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

Programme / Class M.A. Hindi	Year : First Semester: First	VAC
पाठयक्रम कोड : VAC-RC	पाठयक्रम शीर्षक : राष्ट्रीय चेतना/ Rashtreeya Chetana	

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति जागरूकता और दायित्वबोध की भावना विकसित करना।
2. भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के आदर्शों से परिचय कराना।
3. समसामयिक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति सजग नागरिकता विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम (Course Outcomes):

1. विद्यार्थी राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और नागरिक उत्तरदायित्व को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के ऐतिहासिक एवं नैतिक पक्षों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी राष्ट्रीय विकास और जनहित में सहभागिता के लिए प्रेरित होंगे।

क्रेडिट : 2	
अधिकतम अंक : 50	न्यूनतम उत्तीर्ण अर्हता अंक : 20

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 2-0-0=2

Unit	विषय	No.of Lectures-30
I	**राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा –** राष्ट्र, राष्ट्रीयता और देशभक्ति का भाव; भारतीय संस्कृति और सभ्यता के मूल मूल्य; एकता में विविधता का आदर्श **राष्ट्र और चिति –** लोक और लोक चिति, चिति, संस्कृति और राष्ट्र	10
II	**स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र निर्माण –** प्रमुख आंदोलनों, नेताओं और साहित्य की भूमिका; स्वाधीनता, स्वराज और सामाजिक न्याय की भावना	10
III	**संविधान और नागरिक दायित्व –** भारतीय संविधान के मूल सिद्धांत; मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य; लोकतंत्र और समानता की भावना	05
IV	**समकालीन परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय चेतना –** पर्यावरण, डिजिटल युग और वैश्वीकरण में नागरिक उत्तरदायित्व; युवाओं की भूमिका	05

संस्तुत ग्रंथ-

1. बद्री शाह ठुलढरिया- दैशिक शास्त्र
2. रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
3. सोमदत्त शर्मा – चिति निर्माण के कारक तत्त्व तथा चिति और सृजन
4. चिति संवाद स्मारिका ,विमर्श-साहित्य और कलाओं में चिति :-2025

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : कक्षा अध्यापन / विशिष्ट व्याख्यान / फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री माध्यम का प्रयोग

1. डिजिटल तथा वेब लिंक : (web links)

मूल्यांकन प्रक्रिया सेमिनार पत्र लेखन / प्रस्तुति, क्विज टेस्ट, आंतरिक लिखित परीक्षा

Suggested equivalent online courses:IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

M.A. HINDI II SEMESTER

Programme / Class M.A. Hindi	Year : First	Semester : Second
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-201	Course Title : काव्यशास्त्र	

COURSE OBJECTIVES:

1- विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराना।

2- विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों, तत्वों और इतिहास से परिचित कराना।

3- **COURSE OUTCOMES:**

CO 1- छात्र काव्यशास्त्र के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।

CO 2- विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास।

CO -3 आई ए रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत को जान सकेंगे।

CO -4 टी एस इलियट के निर्वैयक्तिता सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	भारतीय साहित्य शास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय। भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा। **रस सिद्धांत-** अर्थ एवं स्वरुप **अलंकार सिद्धांत-** : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या	15
II	**रीति सिद्धांत-** वर्गीकरण एवं महत्त्व। **ध्वनि सिद्धांत-** अर्थ एवं अवधारणा। **वक्रोक्ति सिद्धांत-**' वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप। **औचित्य सिद्धांत-** औचित्य सिद्धांत का महत्त्व।	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय **प्लेटो** : काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत **अरस्तु के काव्य सिद्धांत** **अनुकरण सिद्धांत** : स्वरुप एवं अवधारणा।	10

	विरेचन सिद्धांत : विरचेन स्वरूप तथा व्याख्या।	
IV	वड्र्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत **उदात्त सिद्धांत :** काव्य में उदात्त का महत्व एवं लोंजाइनस का योगदान। आई .ए .रिचड्र्स का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत । इलियट की निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत **क्रोचे का अभिव्यंजनावाद :** स्वरूप एवं विवेचन।	10
V	**स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या-** प्रतीकवाद, बिंबवाद , मिथक, कल्पना एवं फेंटेसी	10

सहायक ग्रंथ :

- भारतीय काव्यशास्त्र (खंड 1 और 2): आचार्य बलदेव उपाध्याय।
- भारतीय काव्यशास्त्र की परपंरा- संपा. डॉ. नगेंद्र।
- भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान - डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक।
- समीक्षालोक - डा . भगीरथ मिश्र
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र :इतिहास, सिद्धांत और वाद
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डा .कृष्णदेव शर्मा
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन :डा .बच्चन सिंह

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year :First	Semester : Second
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-202	Course Title : उत्तर मध्यकालीन काव्य	

COURSE OBJECTIVES:

1- छात्रों को रीतिकालीन रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन काव्य प्रवृत्तियों एवं समाज की जानकारी प्रदान करना।

2- छात्र को बिहारी सतसई का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।

3- घनानंद के प्रारंभिक कवित्तों का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।

4- भूषण के काव्य का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।

COURSE OUTCOMES-

CO 1- छात्र रीतिकालीन रचनाओं के माध्यम से हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।

CO 2- छात्र बिहारी सतसई के कुछ प्रमुख दोहों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- छात्र घनानंद के प्रारंभिक कवित्त की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CO 4- छात्र भूषण के काव्य का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40	
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4			
Unit	Topic		No. of Lectures-60
I	उत्तर मध्यकाल (रीति काल : संवत् 1700-1900) उत्तर मध्यकालीन काव्य से अभिप्राय। रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रीतिकालीन कवि।		15
II	बिहारी 40 प्रारम्भिक दोहे) बिहारी बोधिनी, संपा. लाला भगवानदीन		15
III	घनानंद 25 प्रारम्भिक कवित्त) घनानदं कवित्त, संपा, विश्वनाथ प्रताप मिश्र		10
IV	केशवदास 25 प्रारम्भिक कवित्त) रामचन्द्रिका से		10
V	भूषण 15 प्रारम्भिक दोहे) भूषण ग्रंथावली संपा .डा. भगीरथ दीक्षित		10

सहायक ग्रंथ :

- बिहारी बोधिनी, संपा लाला भगवानदीन
- घनानदं कवित्त, संपा. विश्वनाथ प्रताप मिश्र
- रामचन्द्रिका, केशवदास
- भूषण ग्रनथवली संपा .डा .भगीरथ दीक्षित

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year :First	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-203	Course Title : हिन्दी आलोचना	

COURSE OBJECTIVES: 1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी आलोचना के विकासक्रम और प्रमुख आलोचकों की साहित्यिक दृष्टियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।
2. इसके अंतर्गत शुक्ल, द्विवेदी, दिनकर और अज्ञेय की आलोचनात्मक मान्यताओं का अध्ययन कराया जाएगा।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र हिंदी आलोचना के स्वरूप एवं विकास को समझ सकेंगे ।

CO 2- छात्र आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 3- छात्र आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताओं को जान सकेंगे ।

CO 4- छात्र रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	**हिन्दी आलोचना का स्वरूप और विकास-** आलोचना का स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण, हिंदी आलोचना की विभिन्न प्रणालियाँ - सैद्धांतिक, मनोवैज्ञानिक, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, स्त्रीवादी तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना।	15
II	**मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता, अस्मितामूलक विमर्श।**	15
III	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताएँ । रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक दृष्टिकोण।	10
IV	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताएँ ।	10
V	रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताएँ । नामवर सिंह की साहित्यिक मान्यताएँ।	10

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद
- हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण -रामधारी सिंह' दिनकर'

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year :First	Semester : Second
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-204	Course Title : कथा साहित्य	

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को हिंदी कथा साहित्य की विविध रचनाओं, उपन्यास एवं कहानी की शैलियों व इतिहास से अवगत कराना।
2. महिला कथाकारों की रचनात्मक विशेषताओं से परिचित कर समकालीन साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

COURSE OUTCOMES:

CO 1. छात्र हिंदी गद्य की विविध विधाओं और कथात्मक रचनाओं को समझ सकेंगे।

CO 2. वे उपन्यास एवं कहानी के स्वरूप, विकास और शैलियों का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3. छात्र महिला कथाकारों के योगदान और उनकी रचनाओं की विशेषताओं को पहचान सकेंगे।

CO 4. साहित्यिक पाठों के माध्यम से उनकी आलोचनात्मक एवं मूल्यांकन क्षमता में वृद्धि होगी।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	उपन्यास एवं कहानी का स्वरूप, इतिहास, प्रमुख शैलियाँ, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों एवं कहानीकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य।	15
II	**हिन्दी कहानी :** **चन्द्रधर शर्मा गुलेरी**- उसने कहा था, **जयशंकर प्रसाद** - पुरस्कार, **प्रेमचन्द्र** - कफन, **ईदगाह** **कमलेश्वर** - राजा निरबंसिया **निर्मल वर्मा** - परिन्दे, **गिरिराज किशोर** - अन्तर्दाह, **से .रा .यात्री** -टापू पर अकेले।	15
III	ममता कालिया -दौड़।	10
IV	मैला आंचल - फणीश्वर नाथ' रेणु',	10
V	वाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद' द्विवेदी'।	10

सहायक ग्रंथ :

- आपका बन्टी, मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- दौड़, ममता कालिया -वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- मैला आंचल - फ़णीश्वर नाथ' रणु'।
- वाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद' द्विवेदी'।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year :First	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-205	Course Title : Project/Survey/Training	

Credits – 04 **Max. Marks : 100**

COURSE OBJECTIVES:

4- विद्यार्थियों को संबंधित विषय का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

5- उनमें विश्लेषण, संप्रेषण और समस्यासमाधान की क्षमता विकसित करना।-

6- **COURSE OUTCOMES:**

CO 1- व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि।

CO 2- विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास।

CO 3- टीमवर्क और नेतृत्व कौशल में सुधार।

CO 4- रोजगारोपयोगी दक्षताओं का संवर्धन।

Programme / Class M.A. Hindi	Year : First Semester:Second	Constitutional, human and moral values and IPR (CHM)
पाठयक्रम कोड : MA-Hindi-206	पाठयक्रम शीर्षक : Constitutional, Human & Moral Values and IPR	

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों एवं मानवीय अधिकारों से परिचित कराना।
2. नैतिक मूल्यों एवं आचरण संबंधी चिंतन को जीवन में व्यवहारिक रूप से लागू करने कीस मझ विकसित करना।
3. बौद्धिक संपदा अधिकारों की अवधारणा, प्रकार एवं उनके विधिक पक्षों से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम (Course Outcomes):

1. विद्यार्थी संवैधानिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों एवं मानवाधिकारों की स्पष्ट समझ प्राप्त करेंगे।
2. नैतिक निर्णय क्षमता, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करेंगे।

3. वे IPR (पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि) की मूल अवधारणाओं और उनके संरक्षण की प्रक्रियाओं को समझ सकेंगे। 4. बौद्धिक संपदा के प्रति सम्मान और रचनात्मकता की सुरक्षा की चेतना विकसित होगी।	
क्रेडिट : 2	
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अर्हता अंक : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 2-0-0=2	

Unit	विषय	No. of Lectures 30
I	**भारतीय संविधान और नागरिक मूल्य-** संविधान की प्रस्तावना और मूल अधिकार, मूल कर्तव्य और संविधान की नैतिक दृष्टि, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समानता	10
II	**मानवाधिकार और नैतिक मूल्य** मानवाधिकार: परिभाषा, महत्व और प्रकार, सामाजिक नैतिकता: ईमानदारी, करुणा, सहिष्णुता, नैतिक संकट एवं उनका समाधान	10
III	**बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) – I** बौद्धिक संपदा का अर्थ और प्रकार (पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, GI, डिज़ाइन, ट्रेड सीक्रेट) भारतीय परिप्रेक्ष्य में IPR का विकास	05
IV	**बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) – II** IPR का पंजीकरण और कानूनी प्रक्रिया, अनुसंधान, नवाचार और IPR साइबर अपराध, साहित्यिक चोरी (Plagiarism) और नीतिगत उपाय	05

संस्तुत ग्रंथ-

1. भारतीय संविधान का परिचय - डॉ. लक्ष्मीकांत
2. नैतिक शिक्षा और मानव मूल्य - डॉ. आर.सी. मिश्रा
3. Intellectual Property Rights - An Overview - वर्ल्ड IPR संगठन (WIPO)
4. यूजीसी द्वारा जारी नैतिकता एवं अनुसंधान नीति दस्तावेज

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : कक्षा अध्यापन / विशिष्ट व्याख्यान / फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री माध्यम का प्रयोग

1. डिजिटल तथा वेब लिंक : (web links)

मूल्यांकन प्रक्रिया सेमिनार पत्र लेखन / प्रस्तुति, क्विज टेस्ट, आंतरिक लिखित परीक्षा

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

M.A. HINDI III SEMESTER

Programme / Class M.A. Hindi	Year :Second	Semester : Third
	Credits – 04	

Course Code : MA-Hindi-301	Course Title : हिन्दी गद्य विधाएँ

Max. Marks : 100

COURSE OBJECTIVES:

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी गद्य की विविध विधाओं जैसे निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, रिपोर्ताज एवं यात्रावृत्तांत से परिचित कराना है।-
2. साथ ही इन विधाओं के प्रमुख लेखकों और रचनाओं के माध्यम से साहित्यिक अभिरुचि और अभिव्यक्तिकौशल विकसित - करना है।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र महत्वपूर्ण हिंदी निबंध एवं विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 2- छात्र प्रमुख निबंधकारों का परिचय प्राप्त कर उनके जीवनानुभवों से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 3- छात्र हिंदी में आत्मकथा लेखन की परंपरा एवं प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 4- छात्र संस्मरण, रिपोर्ताज एवं यात्रा वृतांत जैसी गद्य विधाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
इकाई-1	**हिंदी की प्रमुख गद्य विधाएँ:** हिंदी निबंध का उद्भव और विकास, हिंदी निबंध के प्रकार, हिंदी के प्रमुख निबंधकार।	15
इकाई-2	**निबंध -** बालकृष्णा भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है महावीर प्रसाद डियो - कवि और कवि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- कविता क्या है? महादेवी वर्मा - साहित्यकार की आस्था	15
इकाई-3	**आत्माकथा-** पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'- अपनी खबर **जीवनी-** शिवरानी देवी- प्रेमचंद घर में।	10
इकाई-4	**संस्मरण-** रविन्द्र कलिया- गालिब छुंटी शराब (संस्मरण) **रिपोर्ताज-** धर्मवीर भारती- युद्ध यात्रा (रिपोर्ताज)	10
इकाई-5	**यात्रा वृन्तांतः**-राहुल सांकृत्यायन - मेरी तिब्बत यात्रा	10

सहायक ग्रंथ :

- अपनी खबर- पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
- जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- निराला की साहित्य साधना - राम विलास शर्मा
- शिवरानी देवी- प्रेमचंद घर में।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year :Second	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-302	Course Title : आधुनिक हिंदी काव्य	

COURSE OBJECTIVES:

1- विद्यार्थियों को छायावाद एवं प्रगतिवाद पर्यंत हिंदी काव्य की संवेदनाओं, भावनाओं एवं नूतन विचारों से परिचित कराना।

2- मैथिलीशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, नागार्जुन एवं केदारनाथ अग्रवाल काव्यगत विशताओं से परिचय कराना।

3- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोगवाद और नयी कविता की विशेषताओं, भिन्नताओं तथा तदयुगीन सामाजिक-सांस्कृतिकपरिस्थितियों से परिचित कराना है।

4- प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं के माध्यम से आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना है।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- विद्यार्थी छायावाद एवं प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के हिंदी काव्य की संवेदनाओं, भावनाओं एवं नूतन विचारों को जान सकेंगे ।

CO 2- छात्र मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कृत राम की शक्ति पूजा के अध्ययन उपरांत इन दोनों कवियों की काव्यगत विशताओं को जान सकेंगे ।

CO 3 छात्र इस युग की कविताओं के माध्यम से तदयुगीन परिस्थितियों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

CO 4 -छात्र प्रमुख प्रयोगवादी एवं नई कविता के कवियों तथा उनकी रचनाओं से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	**छायावाद** का अर्थ और स्वरूप।, स्वच्छन्दतावाद और छायावाद के अंतर्संबंध। छायावाद की मूल प्रवृत्तियाँ। **प्रगतिवाद** का अर्थ और स्वरूप, प्रगतिवाद की मूल प्रवृत्तियाँ। **मैथिलीशरण गुप्त** -साकेत का नवम सर्ग, जयशंकर प्रसाद - कामायनी श्रद्धा सर्ग **सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला** -'राम की शक्ति पूजा एवं जूही की कली ।	15

II	**सुमित्रानंदन पन्त -** नौका विहार, परिवर्तन, मौन निमन्त्रण । **महादेवी वर्मा -** बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप,कौन तुम मेरे हृदय में? **नागार्जुन-**अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान **रांगेय राघव -**पांचाली।	15
III	**प्रयोगवाद और नयी कविता :** प्रयोगवाद और नयी कविता से अभिप्राय।, प्रयोगवाद और नयी कविता की प्रवृत्तिगत विशेषताएँ।	10
IV	**अज्ञेय :** तार सप्तक, **भवानी प्रसाद मिश्र :** गीत फरोश। **गजानन माधव मुक्तिबोधः** चाँद का मुँह टेढ़ा है, भूल-ग़लती ।	10
V	**धर्मवीर भारतीः** अंधायुग, **नरेश मेहता :** वन पांखी सुनो। **रघुवीर सहाय :** हँसो-हँसो जल्दी हँसो। **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – उर्वशी अथवा रश्मिरथी **केदारनाथ सिंह** – अकाल में सारस या जमीन पक रही है **लीलाधर जगूड़ी** – नगरी में क्यों या कुछ रंग कुछ गंध	10

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास -डा. तारकनाथ बाली।
- साकेत -मैथिलीशरण गुप्त।
- कामायानी -जयशंकर प्रसाद।
- राम की शक्ति पूजा -सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला'।
- 'यामा -'महादेवी वर्मा।
- चाद का मुँह टेढ़ा हैः -गजानन माधव मुक्तिबोध।
- अंधायुग धर्मवीर भारतीः -नरेश मेहेताः वन पांखी सुनो।
- सूर्य का स्वागतः -दुष्यंत कुमार।
- हँसो-हँसो जल्दी हँसोः -रघुवीर सहाय।
- रामधारी सिंह 'दिनकर' – उर्वशी या रश्मिरथी
- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला
- कुँवर बेचैन – प्यास अभी बाकी है
- केदारनाथ सिंह – अकाल में सारस या जमीन पक रही है
- लीलाधर जगूड़ी – नगरी में क्यों या कुछ रंग कुछ गंध

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class MA Hindi	Year : Secend	Semester : Third
Credits – 04	Max. Marks : 100	
Course Code : MA-Hindi-303	Course Title : अस्मितामूलक विमर्श	

COURSE OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को समकालीन विमर्शों- दलित, आदिवासी, स्त्री और थर्ड जेंडर साहित्य की मूल अवधारणाओं और विकास से परिचित कराना।
2. विविध सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में रचनाओं का अध्ययन कराना, जिससे सामाजिक संवेदनशीलता और आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास हो।

COURSE OUTCOMES:

CO 1. विद्यार्थी दलित, आदिवासी, स्त्री एवं थर्ड जेंडर साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक सन्दर्भों को समझ सकेंगे।
CO 2. विविध विमर्शों के उद्भव, उद्देश्य एवं विकासक्रम का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी। CO 3. छात्र आदिवासी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।
CO 2. विद्यार्थी समकालीन विमर्शों जैसे बाल, पर्यावरण और किसान विमर्श से जुड़े लेखन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO 4. साहित्य में सामाजिक न्याय, समावेशिता और हाशिए की आवाज़ों की अभिव्यक्ति को पहचान सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	**दलित साहित्य:** स्वरुप, अवधारण एवं विकासक्रम दलित साहित्य का सैद्धांतिकी आधार	15
II	**आदिवासी साहित्य -** उद्भव एवं विकास, वैचारिकी, परम्परा और संस्कृति	15
III	**स्त्री विमर्श** -अर्थ एवं स्वरूप ,ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, स्त्री मुक्ति आन्दोलन ,स्त्री विमर्श का उद्देश्य	10
IV	**थर्ड जेंडर** -अभिप्राय, अवधारण एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	10
V	**अन्य विमर्श** बाल विमर्श, पर्यावरण विमर्श, किसान विमर्श इत्यादि	10

पाठ्य पुस्तकें

- दलित विमर्श की भूमिका- कँवल भारती
- हिन्दी दलित कहानियाँ संघर्ष का मूल स्वर- आशीष कुमार 'दीपांकर'
- साहित्य साहित्य कान्दर सौंदर्यशास्त्र- शरण कुमार लिम्बाले
- स्त्री उपेक्षिता- प्रभा खेतन
- जनेबियाई साहित्य परंपरा,और प्रस्ताव- विशन टेटे
- किन्नर पौराणिक कथा- शीला डागा

• जूठन- ओमप्रकाश वाल्मीकि (आत्मकथा) • छप्पर - जयप्रकाश कर्दम (उपन्यास) •सुरंग- दयानंद बटरोही (कहानी) • नंगा सत्य-सुशीला टॉकभौरे (नाटक)
Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks): • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year : Secend	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-304	Course Title : प्रवासी साहित्य	

Credits – 04 **Max. Marks : 100**

COURSE OBJECTIVES:

भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना सदैव रही है। हमारी संस्कृति में सभी के भावों और विचारों को पूर्ण सम्मान एवं स्थान मिला है। स्वतन्त्रता से पूर्व कुछ भारतीय विदेश गए वहीं बस गए। उन्होंने अपनी संस्कृति, वेशभूषा एवं भाषा को विदेशी भूमि पर भी संजोये रखा। इसी की अनुगूंज उनकी साहित्यिक कृतियों में दिखाई पड़ती है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य छात्रों को विदेशों में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों की साहित्य यात्रा का ज्ञान कराना हैं जिससे यह पता चल सके कि भारतीय साहित्य कितना विशाल एवं सम्पूर्ण है।

Course Outcome-

CO 1. विदेशों में हिंदी भाषा एवं लेखन की वैश्विकता का ज्ञान होगा।

CO 2. भारतवंशी लेखकों की रचनात्मकता में भारतीय संस्कृति एवं समाज के योगदान का ज्ञान होगा।

CO 3 छात्र वैश्विक स्तर पर हिंदी एवं साहित्य के विस्तार एवं व्यापकता से परिचित हो सकेंगे।

CO 4. छात्रों को विदेशों में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों की साहित्य यात्रा का ज्ञान प्राप्त होगा।

Credits – 4	**Max. Marks :** 100	**Min. Passing Marks :** 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	प्रवासी हिंदी साहित्य : अवधारणा एवं इतिहास, प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध	15

	विधाएं, प्रवासी हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	15
II	प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध विधाएं, प्रवासी हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	10
III	अभिमन्यु अनत- लाल पसीना (उपन्यास)	10
IV	**प्रवासी हिन्दी कहानी:** अमेरिका- सुषम बेदी- अवसान, सुधा ओम ढींगरा-खिड़कियों से झाँकती आँखें। अनिल प्रभा कुमार - मैं रमा नहीं, अमरेंद्र कुमार- चिड़िया। ब्रिटने: जकिया जुबैरी - सांकल, उषा वर्मा- रौनी, तेजेन्द्र शर्मा- पासपोर्ट का रंग।	
V	**प्रवासी हिन्दी कविताएँ-** डॉ० अंजना संधीर (अमेरिका) - अमेरिका तुझे क्या कहूँ कमला प्रसाद मिश्र (फीजी) - क्या मैं परदेसी हूँ उषा वर्मा (ब्रिटेन) - पीछे देखना संभव मार्टिन हरिदत्त लछमन (सूरीनाम) - वृक्ष की टहनी पर मुनिश्वरलाल चिंतामणि (मॉरीशस) - मेरी हिंदी भाषा	10

सहायक ग्रंथ :

1. प्रवासी हिंदी साहित्य - कमल किशोर गोयनका।
2. फीजी में हिंदी का स्वरूप और विकास - विमलेश कांति वर्मा
3. अभिमन्यु अनत - कमल किशोर गोयनका
4. हिंदी के यूरोपीय विद्वान : व्यक्तित्व और कृतित्व - मुरलीधर श्रीवास्तव
5. मॉरीशस के भारतीयों का इतिहास - के हजारी सिंह
6. विश्व दर्पण : अंतर्राष्ट्रीय कविता संग्रह - सं. बलवंत सिंह नौबत सिंह
7. फीजी के राष्ट्रीय कवि कमला प्रसाद मिश्र की कविताएँ - सं. सुरेश ऋतुपर्ण
8. विश्व हिंदी के भगीरथ- डॉ० भक्त राम शर्मा
9. हिंदी की विश्व यात्रा- डॉ० सुरेश ऋतुपर्ण
10. ब्रिटेन में हिंदी रचनाकार (ब्रिटेन के बारे में भारत का प्रकाशन) - सं. राधाकांत भारती
11. विदेशी विद्वानों का हिंदी प्रेम- जगदीश प्रसाद बरनावाल कुंद
12. ब्रिटेन में हिंदी- उषा राजे सक्सेना

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class MA Hindi	**Year :** Secend	**Semester :** Third
	Subject : Hindi	

Course Code : MA-Hindi-305	Course Title : Project/Research Paper परियोजना/शोध पत्र
Credits – 4	Max. Marks : 100

COURSE OBJECTIVES:

1- अनुसंधान का उद्देश्य नई जानकारी प्राप्त करना, समस्याओं के समाधान खोजना और वैज्ञानिक-तकनीकी समझ को विकसित करना है।
2- शोध पत्र लेखन का उद्देश्य अनुसंधान के निष्कर्षों को साझा कर विश्वसनीयता के साथ विशेषज्ञता को प्रस्तुत और प्रचारित करना है।

COURSE OUTCOMES:

1. परियोजना शोध के क्षेत्र में नई जानकारी और अनुभव का विकास करता है जो आगे बढ़ने में मदद करता है।
2. यह नए तकनीकी उत्पाद या प्रक्रियाओं का विकास करता है जो समाज को लाभ पहुंचाते हैं।
3. यह अनुसंधानकर्ताओं की विशेषज्ञता को बढ़ाता है और उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में मान्यता प्राप्त करने में मदद करता है।
4. शोध परियोजनाएं नए उत्पादों या प्रक्रियाओं के रूप में आर्थिक लाभ प्रदान कर सकती हैं और नौकरी के अवसर उत्पन्न कर सकती हैं।

आवश्यक निर्देश-
विद्यार्थी विभाग के अध्यक्ष एवं शोध-निर्देशक के सहयोग से प्रोजेक्ट/शोध पत्र के विषय का चयन करेंगे। प्रोजेक्ट/शोध पत्र लगभग 10 से 15 पृष्ठ में होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आंतरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

Programme / Class M.A. Hindi	Year : Second Semester: Third	Open elective course (OEC)
पाठयक्रम कोड : MA-Hindi-306	पाठयक्रम शीर्षक : हिंदी अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व विकास	

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों में प्रभावी हिंदी भाषा प्रयोग और मौखिक संप्रेषण क्षमता का विकास करना।
2. शुद्ध उच्चारण, व्याकरणिक प्रयोग और शब्दावली का व्यावहारिक ज्ञान देना।
3. छात्रों को औपचारिक और अनौपचारिक संदर्भों में प्रभावी संप्रेषण हेतु सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम परिणाम (Course Outcomes):

1. विद्यार्थी सटीक, प्रभावशाली और उद्देश्यपरक हिंदी संवाद (मौखिक व लिखित) करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी प्रस्तुति, साक्षात्कार एवं टीम संवाद की स्थितियों में आत्मविश्वासपूर्वक भाग ले सकेंगे।
3. विद्यार्थी कार्यस्थल, शैक्षणिक व सामाजिक क्षेत्र में उपयुक्त भाषा शैली और शिष्टाचार का व्यवहार करना सीखेंगे।

क्रेडिट : 2	
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अर्हता अंक : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 2-0-0=2

Unit	विषय	No. of Lectures-30

I	**संवाद कौशल और भाषा** संवाद का महत्व और प्रकार (औपचारिक/अनौपचारिक, मौखिक/लिखित) शुद्ध एवं प्रभावी हिंदी का प्रयोग, वाणी की स्पष्टता, उच्चारण, शब्द चयन भाव-भंगिमा (body language) और श्रवण कौशल	10
II	**प्रस्तुति एवं मंच कौशल** प्रभावी प्रस्तुति की योजना और तैयारी, पीपीटी/ऑडियो-विज़ुअल सामग्री का हिंदी में प्रयोग, व्यक्तिगत परिचय, रिपोर्टिंग, वाद-विवाद, आत्मविश्वास और तनाव-नियंत्रण अभ्यास	10
III	**लेखन कौशल** आत्मकथ्य, ई-मेल, औपचारिक पत्र, फीडबैक लेखन, सार-संग्रह, संक्षिप्त लेखन लेखन में स्पष्टता और संगति	05
IV	**नेतृत्व और टीम संवाद** समूह में कार्य करना- संवाद और समन्वय, नेतृत्व शैली और भाषा, सहकर्मियों, वरिष्ठों और ग्राहकों से संवाद, भूमिकाएँ और जिम्मेदारी के साथ संवाद	05

संस्तुत ग्रंथ-

1. डॉ. रामनारायण - हिंदी भाषा और संप्रेषण
2. बालमुकुंद गुप्त - व्यावहारिक हिंदी व्याकरण
3. पुष्पा भारती - समसामयिक लेखन कला
4. सी. रामकृष्णन - Effective Communication Skills (Hindi Edition)

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : कक्षा अध्यापन / विशिष्ट व्याख्यान / फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री माध्यम का प्रयोग

1. डिजिटल तथा वेब लिंक : (web links)

मूल्यांकन प्रक्रिया सेमिनार पत्र लेखन / प्रस्तुति, क्विज टेस्ट, आंतरिक लिखित परीक्षा

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

M.A. HINDI IV SEMESTER

Programme / Class M.A. Hindi	Year : Second	Semester : Fourth
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-401	Course Title : भाषा विज्ञान	

COURSE OBJECTIVES:

1- विद्यार्थियों को भाषा-विज्ञान, भारतीय आर्य भाषाओं तथा हिंदी के भौगोलिक एवं भाषिक स्वरूप की समझ प्रदान करना।

2- हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और देवनागरी लिपि सहित उसकी रूप एवं शब्द रचना का परिचय कराना।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र भाषा और भाषा विज्ञान एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 2- हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- हिंदी के भौगोलिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 4- छात्र प्राचीन हिन्दी के भाषिक स्वरूप, शब्द रचना, रूप रचना एवं देव नागरी लिपि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	**भाषा और भाषा विज्ञान :** भाषा की परिभाषा, भाषाः स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, मानक, मानक), विश्व के भाषा परिवार।	15
II	**स्वन प्रक्रियाः** स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ वागवयव, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकारण, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्थाः खण्डन, स्वन-नियम। **अर्थविज्ञानः** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंधी, शब्द भेद, अर्थ परिवर्तन, दिशाएँ एवं कारण।	15
III	**हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।** प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ -पालि, प्राकृत) शाौरसेनी अर्धमागधी, मागधी (अपभ्रंश और उनकी विषेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।	10
IV	**हिन्दी का भौगोलिक विस्तार।** **हिन्दी का भाषिक स्वरूप।** **हिन्दी शब्द रचना-** उपसर्ग प्रत्यय समास। **रूप रचना** -लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ मे हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशषेण और क्रिया रूप।	10
V	**देवनागरी लिपि** की वैज्ञानिकता और मानकीकरण। आंकडा संसाधन और शब्द संसाधन, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण।	10

सहायक ग्रंथ :

- जैन, प्रो .महावीर सरन, भाषा एवं भाषा विज्ञान, लोक भारती, इलाहाबाद।
- अन्य भाषा शिक्षण, प्रो महावीर सरन जैन, समन्वय प्रकाशन
- जैन, प्रो .महावीर सरन जैन, परिनिष्ठित हिन्दी का ध्वनिग्रामिक अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद।
- जैन, प्रो .महावीर सरन जैन, परिनिष्ठित हिन्दी का रूपग्रामिक अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद।
- हिंदी भाषा का इतिहास -डा .धीरेंद्र वर्मा,
- हिंदी भाषा का उदभव और विकास - डा .उदयनारायण तिवारी।

- नागरी लिपि और उसकी विषेषताएँ -डा .नरेश मिश्र

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):
- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class M.A. Hindi	Year : Second	Semester : Fourth
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-402 A	Course Title : विशेष अध्ययन : कबीर	

पाठ्यक्रम उद्देश्य/ Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल, विशेषतः निर्गुण संत काव्यधारा से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। कबीर के काव्य की प्रकृति, संरचना एवं दर्शन को समझते हुए उनकी रचनाओं के माध्यम से समाज, जीवन-मूल्य एवं आध्यात्मिकता पर विचार करना इस पाठ्यक्रम की मूल भावना है। निर्धारित दोहों एवं पदों के अध्ययन से छात्रों में विवेकशील दृष्टिकोण, सामाजिक चेतना एवं आलोचनात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया गया है।

पाठ्यक्रम परिणाम/Course Outcom

विद्यार्थी भक्तिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
- कबीर-काव्य की सामाजिक चेतना के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता एवं मानवतावादी दृष्टिकोण विकसित होगा।
- छात्रों में मानवीय एवं नैतिक मूल्यों की समझ और प्रतिबद्धता का विकास होगा।
- दोहों और पदों के विवेचन द्वारा आलोचनात्मक चिंतन एवं वैचारिक स्पष्टता को बढ़ावा मिलेगा।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures- 60
I	**कबीर का साहित्यिक परिचय** संत काव्य की विशेषताएँ	15
II	**कबीर की साखियाँ** कुल) 12), गुरुदेव कौ अंग -3,7,11 सुमिरण का अंग 4,9,32, विरह कौ अंग 18,22 चेतावणी कौ अंग -13,14, उपदेस कौ अंग -9 (कबीर - श्यामसुंदर दास)	15
III	**कबीर के पद** कुल)6) राम गौड़ी दुलहनी गावहु मंगलचार -पद), अब मैं राम सकल सिधि पाई, संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे, मन रे जागत रहिये भाई, चलन चलन सब को कहत है, संतौं धागा टूटा गगन बिनसि गया (कबीर - श्यामसुंदर दास)	10

IV	कबीर की सामाजिक चेतना, कबीर की भाषा, कबीर की दार्शनिक चेतना	10
V	कबीर की भक्ति भावनाकबीर का रहस्यवाद	10
सहायक ग्रंथ : 1कबीर-श्यामसुंदर दास 2.कबीर हजारीप्रसाद द्विवेदी		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		

Programme / Class M.A. Hindi	Year : Second	Semester : Fourth
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-402 B	**Course Title : हिन्दी उपन्यास प्रेमचंद पर विशेष अध्ययन**	

COURSE OBJECTIVES:

1- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रेमचंद के उपन्यासों के माध्यम से तत्कालीन भारतीय समाज, कृषि व्यवस्था, औद्योगीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन की समझ विकसित करना है।

2- विद्यार्थी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के माध्यम से सामाजिक यथार्थ से परिचित होंगे।

3- वे प्रेमाश्रम, रंगभूमि और गबन जैसे उपन्यासों के माध्यम से युगीन परिस्थितियों और विचारधाराओं को समझ सकेंगे।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र प्रेमचंद के व्यक्तित्व-कृतित्व एवं तत्कालीन समाज की जानकारी का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।

CO 2- प्रेमाश्रम उपन्यास के द्वारा कृषि समाज एवं युगीन भारतीय समाज का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- छात्र रंगभूमि उपन्यास की कथावस्तु के माध्यम से औद्योगीकरण की समस्या, स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद के प्रभाव को समझ सकेंगे ।

CO 4- गबन उपन्यास के माध्यम से तदयुगीन मध्यमवर्गीय समाज की समस्याओं एवं राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को जान सकेंगे।

Credits – 4	**Max. Marks :** 100	**Min. Passing Marks :** 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 3-1-0=4		

Unit	Topic	No. of Lectures-60
I	**प्रेमचन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व** प्रेमचन्द का व्यक्तित्व और जीवन दृष्टि , प्रेमचन्द का साहित्य, प्रेमचन्द की साहित्यिक मान्यताएँ , प्रेमचन्द के उपन्यास और हिन्दी आलोचना	15
II	**गोदान** : किसान जीवन और गोदान, गोदान के नारी-पात्र, गोदान :अंर्तवस्तु का विश्लेषण गोदान :शिल्प विधान) औपन्यासिक शिल्प (होरी का चरित्र	15
III	**प्रेमाश्रम:** प्रेमाश्रम और कृषि समाज, प्रेमाश्रम युगीन भारतीय समाज और प्रेमचन्द का आदर्शवाद	10

	, प्रेमाश्रम का औपन्यासिक शिल्प , ज्ञानशंकर का चरित्र	10
IV	**रंगभूमि:** रंगभूमि और औद्योगीकरण की समस्या , रंगभूमि पर स्वाधीनता आन्दोलन और गाँधीवाद का प्रभाव , रंगभूमि औपन्यासिक शिल्प , सूरदास का चरित्र	10
V	**गबन :** गबन और ,राष्ट्रीय आन्दोलन, गबन और मध्यवर्गीय समाज ,गबन का औपन्यासिक शिल्प	

सहायक ग्रंथ :

- प्रेमचन्द और उसका युग - डॉ .रामविलास शर्मा
- प्रेमचन्द और भारतीय किसान - डॉ .रामबक्ष
- कलम का सिपाही - अमृतराय
- प्रेमचन्द का नारीचित्रण - डॉ .गीता लाल, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान - डॉ .कमल किशोर गोयनका

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class MA Hindi	Year : Second	Semester : Fourth
Subject : Hindi		Credit-12
Course Code : MA-Hindi-403	Course Title : परियोजना/ शोध प्रबंध	

COURSE OBJECTIVES:

1- अनुसंधान का उद्देश्य नई जानकारी प्राप्त करना, समस्याओं का समाधान खोजना एवं वैज्ञानिक-तकनीकी समझ को विकसित करना है।

2- शोधार्थियों में शोध लेखन की दक्षता विकसित कर, उन्हें ज्ञान क्षेत्र में रचनात्मक और सकारात्मक योगदान देने में सक्षम बनाना।

COURSE OUTCOMES-

1- परियोजना शोध से नई जानकारी और अनुभव का विकास, जो शोधार्थियों को आगे बढ़ने में सहायक होता है।

2- यह नए तकनीकी उत्पादों या प्रक्रियाओं का निर्माण कर सामाजिक और आर्थिक लाभ प्रदान करता है।

3- शोध परियोजना शोधार्थियों की विशेषज्ञता को बढ़ाती है और वैज्ञानिक समुदाय में मान्यता दिलाने में सहायक होती है।

4- इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं और नवाचार के माध्यम से व्यावसायिक संभावनाएँ विकसित होती हैं।

आवश्यक निर्देश-

छात्र/से अनुमति एवं सहयोग के निर्देशक शोध एवं विभागाध्यक्ष छात्राएँ/परियोजना/लघु शोध प्रबंध के विषय का चयन करेंगे।
परियोजना/लघु शोध प्रबंध पत्र लगभग 100 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

Programme / Class **B.A. Hindi Hons. with Research**	Year : Second Semester : Fourth	**Employability and entrepreneurship skill course (EEC)**
Subject : Hindi		
Course Code : MA-Hindi-404	Course Title : **विज्ञापन और हिंदी भाषा**	

पाठ्यक्रम उद्देश्य/ **Course Objectives:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना है। साथ ही उन्हें विज्ञापन भाषा के स्वरूप, शैली और विशेषताओं की समझ देना तथा विभिन्न संचार माध्यमों के अनुसार प्रभावी विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम परिणाम/Course Outcome-

1. विद्यार्थी विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा की दक्षता प्राप्त होगी।
3. विभिन्न संचार माध्यमों की पहुँच और बाज़ार में उनकी प्रसार क्षमता से परिचित हो सकेंगे।
4. कॉपी लेखन व संबंधित रचनात्मक कार्यों के लिए व्यावसायिक रूप से तैयार हो सकेंगे।

Credits –2	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 2-0-0=2

Unit	Topic	No. of Lectures-30
I	**विज्ञापन स्वरूप एवं अवधारणा** विज्ञापन अर्थ : परिभाषा और महत्त्व विज्ञापन के उद्देश्यः आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, विज्ञापन के प्रमुख प्रकार	10
II	**विज्ञापन माध्यम** विज्ञापन माध्यम चयन के आधार, प्रिंट, रेडियो और टेलीविजन डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ होम विज्ञापन होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड, सोशल मीडिया विज्ञापन फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, अन्य माध्यम	10
III	**विज्ञापंन की भाषा** विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ विज्ञापन की भाषापक्ष विभिन्न के शैली- विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन प्रमुख हिंदी विज्ञापनों की भाषा का विश्लेषण	15
IV	**विज्ञापनः कॉपी लेखन** विज्ञापन कॉपी के अंग, प्रिंट माध्यमः लेआउट के विविध प्रारूप वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन- निर्माण , रेडियो जिंगल लेखन टेलीविजन विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन	15

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
3. प्रयोग और प्रयोग वी. आर. जगन्नाथ

4. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका विद्यानिवास मिश्र
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.